Athah

आई टी एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी मुरादनगर

पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारम्भ

वेबिनार

● भारत ही ऐसा देश है जो इतने कम कीमत पर वैक्सीन को पूरे विश्व में उपलब्धता सुनिश्चित करा सकता

अथाह संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी मुरादनगर में एआईसीटीई अटल योजना के द्वारा स्पॉन्सर्ड पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम जिसका थीम ड्रग इंजीनियरिंग चैलेंज एंड इनोवेशन का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डा. आरके खार, डायरेक्टर बीएस अनंगपुरिया फरीदाबाद, विशिष्ट अतिथि डा. पी सनमुगम पांडियन डीन सत्यभामा यूनिवर्सिटी चेन्नई अर्पित चड्ढा वाइस चेयरमैन आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप डा. एस सदीश डायरेक्टर आईटीएसकॉलेज ऑफ फामेर्सी के उपस्थिति में सरस्वती वंदना एवं राष्ट्रगान गाकर किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए डा. खार ने कहा की वर्तमान परिवेश में शिक्षक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है उन्हें नये तकनीक का उपयोग अधिक से अधिक करना चाहिए। उन्होंने कम्युनिकेशन स्किल के बारे में विस्तार से बताया इंजीनियरिंग आज के वर्तमान परिवेश में बहुत ही चैलेंजिंग है और इसमें नित नए इनोवेशन की संभावना है भारत इस में अग्रणी भूमिका निभा सकता है उन्होंने कोरोना काल में भारतीय भारतीय दवा उद्योग के द्वारा पूरे विश्व में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु भारतीय प्रोफेशनल्स सराहना की। उन्होंने कहा भारत के फामेर्सी प्रोफेशनल आपदा को अवसर में बदलने में कामयाब रहे।

डा. पांडियन ने वैक्सीन उत्पादन में भारत के योगदान की चर्चा की तथा यह भी बताया कि भारत ही ऐसा देश है जो इतने कम कीमत पर वैक्सीन कि पूरे विश्व में उपलब्धता सुनिश्चित करा सकता है। उन्होंने नोवेल ड्रग फामूर्लेशन पर अधिक से अधिक ध्यान देने की जरूरत बताया। साथ ही शिक्षकों से समय के साथ अपडेट रहने को कहा। अर्पित चड्ढा ने कहा कि आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी ऐसे योग्य फामेर्सी प्रोफेशनल को तैयार कर रहा है जो भारतीय दवा उद्योग में वर्तमान एवं भविष्य की चुनौतियों को स्वीकार करने में सक्षम है और इस तरह के कार्यक्रम नए नए आविष्कारों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने एप्पल आईफोन का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अविष्कार की महत्ता पर बल दिया। कार्यक्रम में बोलते हुए डॉ सदीश ने एफडीपी हेतु एआईसीटीई एवं कालेज मैनेजमेंट का धन्यवाद किया। उन्होंने समुद्री शैवाल पर हो रहे नए नए अनुसंधानों की चर्चा की कार्यक्रम में बोलते हुए आईआईटीबीएचयू के प्रोफेसर डॉ बी मिश्रा ने ऑस्मोरेगुलेटर्स ड्रग डिलीवरी सिस्टम के बारे में विस्तार से बताया उन्होंने विभिन्न कारक जो ऑस्मोरेगुलेटर्स ड्रग डिलीवरी सिस्टम को प्रभावित करते हैं के बारे में विस्तृत चर्चा की डॉक्टर सुराजीत देबनाथ विभागाध्यक्ष मेडिकल लैब टेक्नीशियन महिला पालिटेक्निक तिरपुरा ने प्रोटीन इंजीनियरिंग विद डिजायर्ड ट्रेट्स शीर्षक पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर डा. प्रवीण गौर ने बताया की पांच दिन तक चलने वाले इस प्रोग्राम में देशभर के करीब 18 विषय विशेषज्ञ वक्ता अगले पांच दिनों तक अपने विचार व्यक्त करेंगे। उन्होंने सभी अतिथियों एवं डेलीगेट को धन्यवाद दिया। डा. मनोज कुमार शर्मा, प्रसून कुमार सक्सेना एवं आलोक प्रताप सिंह ने कार्यक्रम में सह संयोजक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम में पूरे देश से 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया एवं आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी की सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का योगदान रहा।

Jan Sagar Today

आई टी एस कॉलेज ऑफ फामेर्सी मुरादनगर में हुआ पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारम्भ

जन सागर टुडे (सं)

मुरादनगर। आई टी एस कॉलेज ऑफ फामेर्सी मुरादनगर में एआईसीटीई अटल योजना के द्वारा स्पॉन्सर्ड पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम जिसका थीम ड्रग इंजीनियरिंग चैलेंज एंड इनोवेशन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉक्टर आरके खार डायरेक्टर बीएस अनंगपुरिया फरीदाबाद विशिष्ट अतिथि डाक्टर पी सनमुगम पांडियन डीन सत्यभामा यूनिवर्सिटी चेन्नई अर्पित चड्ढा वाइस चेयरमैन आई टी एस द एजुकेशन ग्रुप डॉ एस सदीश डायरेक्टर आईटी एस कॉलेज ऑफ फामेर्सी के उपस्थिति में सरस्वती वंदना एवं राष्ट्रगान गाकर किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉ खार ने कहा कि वर्तमान परिवेश में शिक्षक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है उन्हें नये तकनीक का उपयोग अधिक से अधिक करना चाहिए उन्होंने कम्युनिकेशन स्किल के बारे में विस्तार से बताया इंजीनियरिंग आज के वर्तमान परिवेश में बहुत ही चैलेंजिंग है और इसमें नित नए इनोवेशन की संभावना है भारत इस में अग्रणी भूमिका निभा सकता है उन्होंने कोरोना काल में भारतीय भारतीय दवा उद्योग के द्वारा पूरे विश्व में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु भारतीय प्रोफेशनल्स सराहना की उन्होंने कहा भारत के फामेर्सी प्रोफेशनल आपदा को अवसर में बदलने में कामयाब रहे। डॉक्टर पांडियन ने वैक्सीन उत्पादन में भारत के योगदान की चर्चा की तथा यह भी बताया कि भारत ही ऐसा देश है जो इतने कम कीमत पर वैक्सीन कि पूरे विश्व में उपलब्धता सुनिश्चित करा सकता है। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने नोवेल ड्रग फामूर्लेशन पर अधिक से अधिक ध्यान देने की जरूरत बताया साथ ही साथ शिक्षकों से समय के साथ अपडेट रहने को कहा अर्पित चड्ढा ने यह कहा कि आई टी एस कॉलेज ऑफ फामेर्सी ऐसे योग्य फामेर्सी प्रोफेशनल को तैयार कर रहा है जो भारतीय दवा उद्योग में वर्तमान एवं भविष्य की चुनौतियों को स्वीकार करने में सक्षम है और इस तरह के कार्यक्रम नए.नए आविष्कारों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होता है उन्होंने एप्पल आईफोन का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अविष्कार की महत्ता पर बल दिया।

कार्यक्रम में बोलते हुए डॉ सदीश ने एफ डी पी हेतु ए आई सी टी ई एवं कालेज मैनेजमेंट का धन्यवाद किया। उन्होंने समुद्री शैवाल पर हो रहे नए नए अनुसंधानों की चर्चा की। कार्यक्रम में बोलते हुए आईआईटीबीएचयू के प्रोफेसर डॉ बी मिश्रा ने ऑस्मोरेगुलेटर्स ड्रग डिलीवरी सिस्टम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने विभिन्न कारक जो ऑस्मोरेगुलेटर्स ड्रग डिलीवरी सिस्टम को प्रभावित करते हैं के बारे में विस्तृत चर्चा की डॉक्टर सुराजीत देबनाथ विभागाध्यक्ष मेडिकल लैब टेक्नीशियन महिला पालिटेक्निक तिरपुरा ने प्रोटीन इंजीनियरिंग विद डिजायर्ड ट्रेट्स शीर्षक पर विस्तृत चर्चा की। कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर डॉक्टर प्रवीण गौर ने बताया कि 5 दिन तक चलने वाले इस प्रोग्राम में देशभर के करीब 18 विषय विशेषज्ञ वक्ता अगले 5 दिनों तक अपने विचार व्यक्त करेंगे। उन्होंने सभी अतिथियों एवं डेलीगेट को धन्यवाद ज्ञापित किया।

डॉ मनोज कुमार शर्मा मिस्टर प्रसून कुमार सक्सेना एवं मिस्टर आलोक प्रताप सिंह ने कार्यक्रम में सह. संयोजक की भूमिका निभाई कार्यक्रम में पूरे देश से 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया एवं आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी की सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का योगदान रहा।

Manasvi Vani

भाजपा सरकार का सफाया होना तय ने कहा कि 2022 में समाजवादी पार्टी

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में फैकल्टी डेवलपमेंट का शुभारम्भ

मनस्वी वाणी संवाददाता

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ रोड पर स्थित आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी मुरादनगर में एआईसीटीई अटल योजना के द्वारा स्पॉन्सर्ड पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम जिसका थीम ड्रग इंजीनियरिंग चैलेंज एंड इनोवेशन का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉक्टर आरके खार डायरेक्टर बीएस अनंगपुरिया फरीदाबाद विशिष्ट अतिथि डाक्टर पी सनमुगम पांडियन डीन सत्यभामा यूनिवर्सिटी चेन्नई श्री अर्पित चड्ढा वाइस चेयरमैन आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप डॉ एस सदीश डायरेक्टर आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी के उपस्थिति में सरस्वती वंदना एवं राष्ट्रगान गाकर किया गया। इस

अवसर पर बोलते हुए डॉ खार ने कहा की वर्तमान परिवेश में शिक्षक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है उन्हें नये तकनीक का उपयोग अधिक से अधिक करना चाहिए ।उन्होंने कम्युनिकेशन स्किल के बारे में विस्तार से बताया इंजीनियरिंग आज के वर्तमान परिवेश में बहुत ही चैलेंजिंग है और इसमें नित नए इनोवेशन की संभावना है। भारत इस में अग्रणी भूमिका निभा सकता है

।उन्होंने कोरोना काल में भारतीय दवा उद्योग के द्वारा पूरे विश्व में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु भारतीय प्रोफेशनल्स सराहना की। उन्होंने कहा भारत के फामेर्सी प्रोफेशनल आपदा को अवसर में बदलने में कामयाब रहे डॉक्टर पांडियन ने वैक्सीन उत्पादन में भारत के योगदान की चर्चा की तथा यह भी बताया कि भारत ही ऐसा देश है जो इतने कम कीमत पर वैक्सीन कि पूरे विश्व में उपलब्धता सुनिश्चित करा सकता है। इस अवसर पर बोलते हुएए उन्होंने नोवेल ड्रग फामूर्लेशन पर अधिक से अधिक ध्यान देने की जरूरत बताया साथ ही साथ शिक्षकों से समय के साथ अपडेट रहने को कहा । अर्पित चड्ढा ने कहा कि आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी ऐसे योग्य फामेर्सी प्रोफेशनल को तैयार कर रहा है जो भारतीय दवा उद्योग में वर्तमान एवं भविष्य की चुनौतियों को स्वीकार करने में सक्षम है ।

उन्होंने एप्पल आईफोन का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अविष्कार की महत्ता पर बल दिया ।कार्यक्रम में बोलते हुए डॉ सदीश ने एफ डी पी हेतु एआईसीटी ई एवं कालेज मैनेजमेंट का धन्यवाद किया ।

Current Crime

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारम्भ

मुरादनगर (करंट क्राइम)। नगर क्षेत्र में मेरठ दिल्ली मार्ग स्थित आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में एआईसीटीई अटल योजना के द्वारा स्पॉन्सर्ड पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम जिसका थीम ड्रग इंजीनियरिंग चैलेंज एंड इनोवेशन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. आर.के. खार, डायरेक्टर बी.एस. अनंगपुरिया फरीदाबाद, विशिष्ट अतिथि डा. पी. सनमुगम पांडियन डीन सत्यभामा यूनिवर्सिटी चेन्नई, अर्पित चड्ढा वाइस चेयरमैन आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप, डॉ. एस सदीश डायरेक्टर आईटी एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी के उपस्थिति में सरस्वती वंदना एवं राष्ट्रगान गाकर किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. खार ने कहा कि वर्तमान परिवेश में शिक्षक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है, उन्हें नये तकनीक का उपयोग अधिक से अधिक करना चाहिए। उन्होंने कम्युनिकेशन स्किल के बारे में विस्तार से बताया इंजीनियरिंग आज के वर्तमान परिवेश में बहुत ही चैलेंजिंग है और इसमें नित नए इनोवेशन की संभावना है। भारत इसमें अग्रणी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कोरोना काल में भारतीय दवा उद्योग के द्वारा पूरे विश्व में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु भारतीय प्रोफेशनल्स सराहना की। उन्होंने कहा भारत के फार्मेसी प्रोफेशनल आपदा को अवसर में बदलने में कामयाब रहे। डॉक्टर पांडियन ने वैक्सीन उत्पादन में भारत के योगदान की चर्चा की तथा यह भी बताया कि भारत ही ऐसा देश है जो इतने कम कीमत पर वैक्सीन कि पूरे विश्व में उपलब्धता सुनिश्चित करा सकता है। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने नोवेल ड्रग फार्मूलेशन पर अधिक से अधिक ध्यान देने की जरूरत बताया साथ ही साथ शिक्षकों से समय के साथ अपडेट रहने को कहा। अर्पित चड्ढा ने कहा कि आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी ऐसे योग्य फार्मेसी प्रोफेशनल को तैयार कर रहा है, जो भारतीय दवा उद्योग में वर्तमान एवं भविष्य की चुनौतियों को स्वीकार करने में सक्षम है और इस तरह के कार्यक्रम नए-नए आविष्कारों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने एप्पल आईफोन का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अविष्कार की महत्ता पर बल दिया। कार्यक्रम में बोलते हुए डॉ. सदीश ने एफ डी पी हेतु एआईसीटीई एवं कालेज मैनेजमेंट का धन्यवाद किया। उन्होंने समुद्री शैवाल पर हो रहे नए नए अनुसंधानों की चर्चा की। कार्यक्रम में बोलते हुए आईआईटीबीएचयू के प्रोफेसर डॉ. बी. मिश्रा ने ऑस्मोरेगुलेटर्स ड्रग डिलीवरी सिस्टम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने विभिन्न कारक जो ऑस्मोरेगुलेटर्स ड्रग डिलीवरी सिस्टम को प्रभावित करते हैं के बारे में विस्तृत चर्चा की डॉक्टर सुराजीत देबनाथ विभागाध्यक्ष मेडिकल लैब टेक्नीशियन महिला पालिटेक्निक त्रिपुरा ने प्रोटीन इंजीनियरिंग विद डिजायर्ड ट्रेट्स शीर्षक पर विस्तृत चर्चा की कार्यक्रम के को ऑर्डिनेटर डॉक्टर प्रवीण गौर ने बताया की 5 दिन तक चलने वाले इस प्रोग्राम में देशभर के करीब 18 विषय विशेषज्ञ वक्ता अगले 5 दिनों तक अपने विचार व्यक्त करेंगे। उन्होंने सभी अतिथियों एवं डेलीगेट को धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ. मनोज कुमार शर्मा, प्रसून कुमार सक्सेना एवं आलोक प्रताप सिंह ने कार्यक्रम में सह. संयोजक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम में पूरे देश से 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया एवं आईटीएस कालेज ऑफ फार्मेसी की सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का योगदान रहा।

Josh

फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम शुरू

जासं,मुरादनगर : आइटीएस कालेज आफ फार्मेसी में मंगलवार को पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि बीएस अनंगपुरिया फरीदाबाद के निदेशक डा. आरके खार ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में सत्यभामा यूनिवर्सिटी चेन्नई के डीन पी. सनमुगम पांड्यिन उपस्थित रहे। वाइस चेयरमैन डा. अर्पित चड्ढा ने अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया।

Hint

कार्यक्रम

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम 'थीम ड्रग इंजीनियरिंग चैलेंज एंड इनोवेशन' का आयोजन

वर्तमान परिवेश में इंजीनियरिंग बहुत ही चैलेंजिंग : डा. आरके खार

आयोजन

- भारतीय दवा उद्योग वर्तमान एवं भविष्य की चुनौतियों को स्वीकार करने में सक्षम
- कार्यक्रम में देशभर के 200 प्रतिभागियों ने लिया भाग, 18 विशेषज्ञ रखेंगे विचार

हिन्ट संवाददाता

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ मार्ग पर आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में एआईसीटीई अटल योजना के द्वारा स्पॉन्सर्ड पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम 'थीम ड्रग इंजीनियरिंग चैलेंज एंड इनोवेशन' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉक्टर आरके खार, डायरेक्टर बीएस अनंगपुरिया फरीदाबाद, विशिष्ट अतिथि डाक्टर पी सनमुगम पांडियन डीन सत्यभामा यूनिवर्सिटी चेन्नई, अर्पित चड्ढा वाइस चेयरमैन आईटीएस एजुकेशन ग्रुप, डॉ. एस सदीश डायरेक्टर आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी के उपस्थिति में सरस्वती वंदना एवं राष्ट्रगान गाकर किया गया। इस अवसर पर डॉ. खार ने कहा की वर्तमान परिवेश में शिक्षक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्हें नये तकनीक का उपयोग अधिक से अधिक करना चाहिए। उन्होंने कम्युनिकेशन स्किल के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि इंजीनियरिंग वर्तमान परिवेश में बहुत ही चैलेंजिंग है। इसमें नित नए इनोवेशन की संभावना है। भारत इस में अग्रणी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कोरोना काल में भारतीय दवा उद्योग के द्वारा पूरे विश्व में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु भारतीय प्रोफेशनल्स सराहना की। उन्होंने कहा भारत के फार्मेसी प्रोफेशनल्स आपदा को अवसर में बदलने में कामयाब रहे। डॉक्टर पांडियन ने वैक्सीन उत्पादन में भारत के योगदान की चर्चा की तथा यह भी बताया कि भारत ही ऐसा देश है जो इतने कम कीमत पर वैक्सीन कि पूरे विश्व में उपलब्धता सुनिश्चित करा सकता है। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने नोवेल ड्रग फार्मूलेशन पर अधिक से अधिक ध्यान देने की जरूरत बताया। साथ ही साथ शिक्षकों से समय के साथ अपडेट रहने को कहा। अर्पित चड्ढा ने यह कहा कि आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी ऐसे योग्य फार्मेसी प्रोफेशनल को तैयार कर रहा है जो भारतीय दवा उद्योग में वर्तमान एवं भविष्य की चुनौतियों को स्वीकार करने में सक्षम हैं और इस तरह के कार्यक्रम नए-नए आविष्कारों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं। पांच दिन तक चलने वाले इस प्रोग्राम में देशभर के करीब 18 विषय विशेषज्ञ वक्ता अगले पांच दिनों तक अपने विचार व्यक्त करेंगे। उन्होंने सभी अतिथियों एवं डेलीगेट को धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ. मनोज कुमार शर्मा, प्रसून कुमार सक्सेना एवं आलोक प्रताप सिंह ने कार्यक्रम में सह संयोजक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम में पूरे देश से 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एवं आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी की सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का योगदान रहा।

Hind Atma

आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का हुआ शुभारम्भ

हिन्द आत्मा संवाददाता

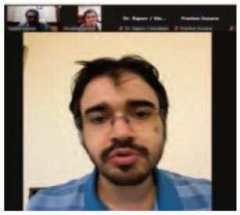

गाजियाबाद। मुरादनगर स्थित आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी 13 सितंबर को एआईसीटीई अटल योजना के द्वारा स्पॉन्सर्ड पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, जिसका थीम ड्रग इंजीनियरिंग चैलेंज एंड इनोवेशन था,का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉक्टर आरके खार डायरेक्टर बीएस अनंगपुरिया फरीदाबाद विशिष्ट अतिथि डाक्टर पी सनमुगम पांडियन डीन सत्यभामा यूनिवर्सिटी चेन्नई, अर्पित चड्ढा वाइस चेयरमैन आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप,डॉ एस सदीश डायरेक्टर आईटी एस कॉलेज ऑफ फार्मेसी द्वारा सरस्वती वंदना एवं राष्ट्रगान गाकर किया गया।इस अवसर पर बोलते हुए डॉ खार ने कहा की वर्तमान परिवेश में शिक्षक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है उन्हें नई तकनीक का उपयोग अधिक से अधिक करना चाहिए। उन्होंने कम्युनिकेशन स्किल के बारे में विस्तार से बताया।भारत इस में अग्रणी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कोरोना काल में भारतीय भारतीय दवा उद्योग के द्वारा पूरे विश्व में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु भारतीय प्रोफेशनल्स सराहना की। उन्होंने कहा भारत के फार्मेसी प्रोफेशनल आपदा को अवसर में बदलने में कामयाब रहे।डॉक्टर पांडियन ने वैक्सीन उत्पादन में भारत के योगदान की चर्चा की तथा यह भी बताया कि भारत ही ऐसा देश है जो इतने कम कीमत पर वैक्सीन कि पूरे विश्व में उपलब्धता सुनिश्चित करा सकता है। इस अवसर पर बोलते हुएए उन्होंने नोवेल ड्रग फार्मूलेशन पर अधिक से अधिक ध्यान देने की जरूरत बताई। उन्होंने शिक्षकों से समय के साथ अपडेट रहने को कहा अर्पित चड्ढा ने यह कहा कि आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी ऐसे योग्य फार्मेसी प्रोफेशनल को तैयार कर रहा है जो भारतीय दवा उद्योग में वर्तमान एवं भविष्य की चुनौतियों को स्वीकार करने में सक्षम है। इस तरह के कार्यक्रम नए,नए आविष्कारों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होते हैं, उन्होंने एप्पल आईफोन का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अविष्कार की महत्ता पर बल दिया।कार्यक्रम में बोलते हुए डॉ सदीश ने एफडीपी हेतु एआईसीटीई एवं कालेज मैनेजमेंट का धन्यवाद किया।

उन्होंने समुद्री शैवाल पर हो रहे नए नए अनुसंधानों की चर्चा की। कार्यक्रम में बोलते हुए आईआईटीबीएचयू के प्रोफेसर डॉ बी मिश्रा ने ऑस्मोरेगुलेटर्स ड्रग डिलीवरी सिस्टम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने विभिन्न कारक जो ऑस्मोरेगुलेटर्स ड्रग डिलीवरी सिस्टम को प्रभावित करते हैं के बारे में विस्तृत चर्चा की डॉक्टर सुराजीत देबनाथ विभागाध्यक्ष मेडिकल लैब टेक्नीशियन महिला पालिटेक्निक तिरपुरा ने प्रोटीन इंजीनियरिंग विद डिजायर्ड ट्रेट्स शीर्षक पर विस्तृत चर्चा की कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर डॉक्टर प्रवीण गौर ने बताया की 5 दिन तक चलने वाले इस प्रोग्राम में देशभर के करीब 18 विषय विशेषज्ञ वक्ता अगले 5 दिनों तक अपने विचार व्यक्त करेंगे।उन्होंने सभी अतिथियों एवं डेलीगेट को धन्यवाद दिया।डॉ मनोज कुमार शर्मा, मिस्टर प्रसून कुमार सक्सेना एवं मिस्टर आलोक प्रताप सिंह ने कार्यक्रम में सह. संयोजक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम में पूरे देश से 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया एवं आईटीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का योगदान रहा।